'पाकिस्तान से सस्ता शुगर इंपोर्ट रोकने का सरकार ने दिया भरोसा'

इस्मा और एनएफसीएसएफ के अधिकारियों की मिनिस्ट्री के साथ मीटिंग में मिला आश्वासन

पीटीआई नई दिल्ली

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने कहा है कि उसे सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह पाकिस्तान से कम दाम पर देश में इंपोर्ट हो रही चीनी पर इंपोर्ट ड्यूटी को मौजूदा 50 पर्सेंट से बढ़ाने पर विचार करेगी। ग्लोबल प्राइसेज में तेज गिरावट को देखते हुए पाकिस्तान सरप्लस शुगर को एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहा है और ऐसे में वह एक्सपोर्ट को फायदेमंद बनाने के लिए सब्सिडी पर काम कर रहा है। इस्मा ने कहा, 'अगर पाकिस्तानी इंपोर्ट फायदेमंद हो गया या इसे इंडिया में इंपोर्ट करने के कॉन्ट्रैक्ट मिल गए, खासतौर पर अगर सिंध किसी तरह की सब्सिडी का ऐलान कर देता है तो भारत सरकार पर्याप्त मात्रा में इंपोर्ट ड्यूटी को बढ़ाने के लिए तैयार है ताकि इस तरह के इंपोर्ट को रोका जा सके।'

फूड मिनिस्ट्री के अफसरों के साथ पिछले हफ्ते हुई मीटिंग में इस मसले समेत अन्य चीजों पर विचार हुआ। इस्मा और नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ) के अधिकारी इस मीटिंग में शामिल थे। इंडिया से शुगर एक्सपोर्ट पर इस्मा ने कहा कि इस पर यह विचार किया गया कि 'इस वक्त एक्सपोर्ट की कोई गुंजाइश नहीं है।' मौजूदा 2017-18 सीजन (अक्टूबर से सितंबर) में देश में क्लोजिंग स्टॉक करीब 40 लाख टन के साथ ज्यादा नहीं रहने के आसार हैं। इस्मा ने कहा, 'ऐसे में एक्सपोर्ट ड्यूटी में कटौती का कोई मतलब नहीं बनता है।'

इस्मा ने 2017-18 के लिए देश में शुगर का उत्पादन 251 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इससे पिछले साल देश में 203 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। भारत दुनिया में शुगर उत्पादन के मामले में पहले पायदान पर है। शुगर एसोसिएशन ने कहा, 'अभी 2018-19 के शुगर प्रॉडक्शन के बारे में बात करना बेमतलब होगा क्योंकि कटाई के लिए 10-15 पर्सेंट तक गन्ने की प्लांटिंग अभी नहीं हुई है।' इस्मा ने कहा कि हालांकि, वेस्टर्न और सदर्न राज्यों में बेहतर बारिश के चलते गन्ने की बुआई में सुधार आ सकता है, लेकिन अभी से अगले सीजन की फसल और उत्पादन के बारे में कुछ भी कह पाना बचकाना होगा। इस्मा के बयान में कहा गया, 'असलियत यह है कि अगर जून से सितंबर 2018 के दौरान अच्छी बारिश नहीं हुई तो शुगर प्रॉडक्शन पर बुरा असर पड़ेगा। ऐसे में जुलाई 2018 के आसपास हम 2018-19 के प्रॉडक्शन के बारे में शुरुआती अनुमान दे पाने में सफल होंगे।' फूड मिनिस्ट्री के अफसरों ने भरोसा दिलाया है कि अगर 2018-19 के सीजन में सरप्लस स्टॉक रहता है तो सही वक्त पर कदम उठाए जाएंगे ताकि सरप्लस स्टॉक को सार्क देशों को भेजा जा सके।

- पाकिस्तान में सरप्लस स्टॉक होने और ग्लोबल मार्केट में कम कीमतों के चलते भारत को पड़ोसी देश से एक्सपोर्ट की आशंका बढ़ी
- पाकिस्तान में शुगर एक्सपोर्ट को फायदेमंद बनाने के लिए सब्सिडी देने पर हो रहा विचार